# JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

**(DEEMED UNIVERSITY)**

## RET JULY - 2016

## PART – III (CONCERN SUBJECT)

## JAINOLOGY, COMPARATIVE RELIGION AND PHILOSOPHY

**DATE OF EXAMINATION :**

**ROLL NO. :** **SIG. OF INVIGILATOR**

**TOTAL TIME (PART-I TO III) : 03 HOURS** **MARKS : 50X2=100**

**NOTE :**

1. All questions are compulsory and of objective type. / सभी प्रश्न अनिवार्य एवं वस्तुनिष्ठ हैं।
2. All questions carry equal marks. / सभी प्रश्नों के अंक समान है।
3. Only one answer is to be given for each question. / प्रत्येक प्रश्न का एक ही उत्तर देना है।
4. If more than one answer is marked, it would be treated as wrong answer. / एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जायेगा।

1. जैन धर्म के सोलहवें तीर्थंकर हैं– / Sixteenth Tirthankar in Jainism is:

   (अ) शीतलनाथ / Shitalnatha (ब) अरिष्टनेमि / Arishtanemi

   (स) शान्तिनाथ / Shantinatha (द) पार्श्वनाथ / Parshvanatha

( )

2. तीर्थंकर ऋषभदेव का जन्म यहां हुआ था– / Tirthankara Rishabhdeva was born here:

   (अ) नालन्दा / Nalanda

   (ब) कोसल / Kosala

   (स) प्रयाग / Prayag

   (द) हस्तिनापुर / Hastinapur

( )

3. भगवान महावीर का जन्म हुआ था– / Tirthankara Mahavira was born at:

(अ) कुण्डग्राम / Kundagrama (ब) राजगृह / Rajagrha

(स) सारनाथ / Saranath (द) काशी / Kashi

( )

4. जैनधर्म की प्रथम वाचना यहां हुई थी– / The first council in Jainism was held at-

(अ) वल्लभी / Vallabhi (ब) मथुरा / Mathura

(स) पाटलीपुत्र / Patliputra (द) जयपुर / Jaipur

( )

5. द्वादशांग में से प्रथम अंग है– / The name of first Anga canon is-

(अ) नायाधम्मकहाओ / Nayadhamma Kahao (ब) ठाणांग / Thananga

(स) अंतगडदसाओ / Antagadadasao (द) आयारांग / Ayaranga

( )

6. आयारांग में इतने अध्ययन हैं? / Ayaranga keeps the Adhyayanas in number-

(अ) छहः / Six (ब) पन्द्रह / Fifteen

(स) नौ / Nine (द) चार / Four

( )

7. तत्त्वार्थसूत्र इनकी रचना है– / Tattavarthasutra is the work of-

(अ) आचार्य कुन्दकुन्द / Aacharya Kundakunda

(ब) उमास्वाति / Umaswati

(स) हरिभद्र / Haribhadra

(द) सिद्धसेन / Siddhasena

( )

8. आचार्य कुन्दकुन्द यहां के निवासी थे– / Acharya Kundakunda belong to-

(अ) दक्षिण भारत / Southern India (ब) उत्तर भारत / Northern India

(स) पूर्व भारत / Eastern India (द) पश्चिम भारत / Western India

( )

9. योगदृष्टिसमुच्चय के रचयिता हैं– / The Yogadrshtisamuchaya is the work of-

(अ) कुन्दकुन्द / Kundkund (ब) उमास्वाति / Umaswati

(स) अकलंक / Aklank (द) हरिभद्र / Haribhadra

( )

10. प्राकृत अध्ययन एवं शोध संस्थान यहां कार्यरत है–

Prakrit Study and Research Institute is situated at–

(अ) श्रवणबेलगोला / Shravanbelagola (ब) अहमदाबाद / Ahmedabad

(स) जैसलमेर / Jaisalmer (द) वैशाली / Vaishali

( )

11. जैनधर्म में चतुर्थ व्रत है– / The name of fourth varata is-

(अ) अस्तेय / Asteya (ब) अपरिग्रह / Aparigraha

(स) ब्रह्मचर्य / Brahmacharya (द) अचौर्य / Achaurya

( )

12. जैनधर्म के अनुसार तत्त्वों की संख्या है– / The number of Tattavas in Jainism are-

(अ) नव / Nine (ब) बारह / Twelve

(स) तीन / Three (द) सात / Seven

( )

13. अनर्थदण्डव्रत इसका भेद है– / Anarthadandavrata is a part of-

(अ) शिक्षाव्रत / Shikshavrata (ब) गुणव्रत / Gunavrata

(स) गुणस्थान / Gunasthana (द) मार्गणा / Margana

( )

14. सम्यग्दर्शन इसका भाग है– / Samyagdarshana is a part of–

(अ) व्रत / Vratas (ब) तत्त्व / Tattvas

(स) पदार्थ / Padartha (द) रत्नत्रय / Ratnatraya

( )

15. सप्तभंगी इसका रूप है– / Saptabhangi is a form of–

(अ) स्याद्वाद / Syadvada (ब) अनेकान्तवाद / Anekantvada

(स) प्रमाणवाद / Pramanavada (द) द्रव्यवाद / Dravyavada

( )

16. निक्षेप के भेद हैं– / The kinds of Nikshepa are-

(अ) सात / Sevan (ब) दो / Two

(स) तीन / Three (द) चार / Four

( )

17. भवप्रत्यय इसका भेद है– / Bhavaprataya is a kind of–

(अ) मनःपर्ययज्ञान / Manahparyayajnana

(ब) अवधिज्ञान / Avadhijnana

(स) मतिज्ञान / Matijnana

(द) केवलज्ञान / Kevaljnana

( )

18. मतिज्ञान की उत्पत्ति में इतने कारण होते हैं– / The origin of Matijnana is based on the reaseons-

(अ) दस / Ten (ब) छह / Six

(स) आठ / Eight (द) चार / Four

( )

19. निगण्ठ नातपुत्त इन्हें कहा जाता है– / Nigantha Nataputta is the name of-

(अ) पार्श्वनाथ / Parsvanatha (ब) महावीर / Mahavira

(स) आजीविक / Ajivika (द) बुद्ध / Buddha

( )

20. सर्वज्ञसिद्धि इस प्रमाण पर आधारित है– / The sarvajnasiddhi is based on–

(अ) प्रत्यक्ष / Pratyaksa (ब) अर्थपत्ति / Arthapatti

(स) आगम / Agama (द) अनुमान / Anumana

( )

21. एलोरा जैन कला केन्द्र इस काल में बना–

Elora was a jain art centre during the period of-

(अ) राष्ट्रकूट / Rashtrakuta (ब) गंग / Ganga

(स) चोल / Chole (द) पाण्डय / Pandya

( )

22. खजुराहो मन्दिर का निर्माण इसके शासन काल में हुआ–

The construction of Khajuraho temple was made during the period of-

(अ) मदन वर्मा / Madan Varma (ब) तोमर / Tomar

(स) कुमारपाल / Kumarapala (द) चालुक्य / Chalukya

( )

23. आबू स्थित श्वेताम्बर जैन मन्दिर का निर्माता था–

The Shvetambara Jain temple situated at Abu was constructed by-

(अ) तेजपाल / Tejapala (ब) अल्हणदेव / Alhanadeva

(स) कालकाचार्य / Kalakacarya (द) कल्हणदेव / Kalhanadeva

( )

24. सम्मेदशिखर तीर्थ यहां अवस्थित है–

The Sammedashikhara Tirtha is situated at-

(अ) उदयपुर / Udaipur (ब) जयपुर / Jaipur

(स) हस्तिनापुर / Hastinapur (द) मधुवन / Madhuvana

( )

25. हाथीगुम्फा शिलालेख इसका है– / Hathigumpha inscription is related to-

(अ) अशोक / Ashoka (ब) पाण्डु / Pandu

(स) खारबेल / Kharavela (द) कुमारपाल / Kumarapala

( )

26. हेमचन्द्राचार्य इस राजा के गुरु थे– / Hemacandracharya was the teacher of-

(अ) महापद्मनन्द / Mahapadmananda (ब) धर्मराज / Dharmaraja

(स) चामुण्डराय / Camundaraya (द) कुमारपाल / Kumarapala

( )

27. लघुकैलाश मन्दिर यहां अवस्थित है– / Laghu Kailasha temple is situated at-

(अ) महाबलीपुरम् / Mahabalipuram (ब) एलोरा / Elora

(स) श्रवणबेलगोला / Shravanabelagola (द) ऐहोल / Aihola

( )

28. पर्यावरण संरक्षण से सम्बन्धित है– / Which is related to Environment-

(अ) रात्रिभोजन / Night eating (ब) अनर्थदण्ड / Anarthadanda

(स) कवलाहार / Kavlahara (द) ओजाहार / Ojahara

( )

29. तीर्थंकर महावीर इसके संस्थापक थे– / Tirthankara Mahavira was the founder of-

(अ) चातुर्यामधर्म / Chaturyamadharma (ब) त्रियामधर्म / Triyamadharma

(स) पञ्चयामधर्म / Panchayamadharma (द) एकयामधर्म / Ekayamadharma

( )

30. तीर्थंकर अरिष्टनेमि का क्रम है– / Tirthankara Arishtanemi is numberd-

(अ) पंचम / Fifth (ब) सप्तम / Seventh

(स) प्रथम / First (द) बाईसवां / Twenty scond

( )

31. दुंदुभि को इसमें सम्मिलित किया गया है– / Dundubhi is inculded into-

(अ) अष्ट प्रातिहार्य / Ashta Pratiharya (ब) नवग्रह / Navagraha

(स) यक्ष / Yaksha (द) अष्टमंगल / Ashtamangala

( )

32. सुधर्मा इनके गणधर थे– / Sudharma was the Ganadhara of-

(अ) तीर्थंकर ऋषभदेव / Tirthankara Rishabhadeva

(ब) तीर्थंकर महावीर / Tirthankara Mahavira

(स) आचार्य तुलसी / Acharya Tulsi

(द) आचार्य वज्रस्वामी / Acharya Vajraswami

( )

33. प्राचीनतम जैन मूर्ति यहां प्राप्त हुई– / The earliest Jain idol is found at-

(अ) लोहानीपुर / Lohanipur (ब) हड़प्पा / Hadappa

(स) मथुरा / Mathura (द) खजुराहो / Khajuraho

( )

34. यक्षिणी चक्रेश्वरी इनसे सम्बद्ध है– / Yakshini Chakreshvari is related to-

(अ) चन्द्रप्रभ / Chandraprabha (ब) मल्लि / Malli

(स) पार्श्वनाथ / Parshvanatha (द) ऋषभदेव / Rishabhadeva

( )

35. प्रत्याख्यान इसका अंग है– / Pratyakhyana is a part of-

(अ) व्रत / Vrata

(ब) षडावश्यक / Shadavashyaka

(स) गुणस्थान / Gunasthana

(द) मार्गणा / Margana

( )

36. तत्त्वार्थवार्तिक इनका ग्रन्थ है– / Tattvarthavartika is a work of-

(अ) सोमदेव / Somadeva (ब) हरिभद्र / Haribhadra

(स) अकलंक / Akalanka (द) कुन्दकुन्द / Kundakunda

( )

37. सन्निकर्ष को प्रमाण मानने वाला दर्शन है– / Sannikarsha as a Pramana is recognised by-

(अ) जैन / Jain (ब) बौद्ध / Buddhist

(स) नैयायिक / Naiyayika (द) चार्वाक् / Charvak

( )

38. कषाय इस कर्म के अन्तर्गत संयोजित हैं– / Kashayas are included into the Karma–

(अ) मोहनीय / Mohaniya (ब) अन्तराय / Antaraya

(स) ज्ञानावरण / Jnanavarana (द) वेदनीय / Vedaniya

( )

39. कर्म के इतने भेद हैं– / Karma is divided into-

(अ) चार / Four (ब) छह / Six

(स) पांच / Five (द) आठ / Eight

( )

40. धवला टीका के रचयिता हैं– / Dhavala commentary is written by-

(अ) वीरसेन / Virasena (ब) जिनसेन / Jinasena

(स) धरसेन / Dharasena (द) कनकसेन / Kanakasena

( )

41. इसके रचयिता आचार्य शिवार्य हैं– / This text is written by Achary Shivarya-

(अ) षड्खण्डागम / Shadkhandagama

(ब) भगवती आराधना / Bhagawati Aradhana

(स) मूलाराधना / Mularadhana

(द) मूलाचार / Mulachara

( )

42. तपागच्छ के संस्थापक थे– / The founder of Tapagaccha was-

(अ) विजयचन्द्र सूरि / Vijayachandra Suri (ब) जगच्चन्द्र सूरि / Jagachandra Suri

(स) सागर सूरि / Sagar Suri (द) विमल सूरि / Vimal Suri

( )

43. अनात्मवाद सिद्धान्त है– / The theory of Anattamvada belongs to–

(अ) जैन / Jain (ब) वेदान्त / Vedanta

(स) बौद्ध / Buddhist (द) सांख्य / Sankhya

( )

44. विज्ञानवाद सिद्धान्त इस दर्शन का है– / Vijanavada is a theory of-

(अ) वेदान्त / Vedanta

(ब) न्याय–वैशेषिक / Nyaya-vaisheshika

(स) मीमांसक / Mimansaka

(द) बौद्ध / Buddhist

( )

45. सारिपुत्त इनके शिष्य थे– / Sariputta was the disciple of-

(अ) महावीर / Mahavira

(ब) संजय बेलट्ठिपुत्त / Sanjaya Belatthiputta

(स) मक्खलि गोसाल / Makkhali Gosala

(द) गौतम बुद्ध / Gotam Buddha

( )

46. उत्तराध्ययन सूत्र इसका भाग है– / Uttaradhyana Sutra is a part of-

(अ) प्रकीर्णक / Prakirnaka

(ब) मूलसूत्र / Mulasutra

(स) उपांग / Upanga

(द) छेद सूत्र / Chhedasutra

( )

47. प्राकृत धम्मपद इस प्राकृत में लिखित ग्रन्थ है–

Prakrit Dhammapada is emposed in the Prakirt-

(अ) शौरसेनी / Shauraseni (ब) महाराष्ट्री / Maharashtri

(स) निय / Niya (द) पैशाची / Paishachi

( )

48. गोम्मटसार के रचयिता हैं– / Gommatasara is emposed by-

(अ) नेमिचन्द्र सिद्धान्तचक्रवर्ती / Nemichandra Siddharta chakravarti

(ब) चामुण्डराय / Chamundaraya

(स) वट्टकेर / Vattakera

(द) गुणधर / Gunadhara

( )

49. जैनदर्शन में प्रमाण के भेद हैं– / Pramana is divided in Jain Philosophy into-

(अ) चार / Four (ब) छह / Six

(स) दो / Two (द) तीन / Three

( )

50. जैनधर्म में गुणस्थानों की संख्या है–

The number of Gunasthana in Jainism are-

(अ) सात / Seven (ब) चार / Four

(स) बारह / Twelve (द) चौदह / Fourteen

( )

●●●